AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : स्नातक में दाखिले पूरे, कक्षाएं चलाने पर आज होगा फैसला

लखनऊ। लविवि में मंगलवार को स्नातक कक्षाओं के दाखिले पूरे हो गए। अब कक्षाएं चलाने को लेकर बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक की जाएगी। बैठक में क्लास शुरू करने की तारीख व प्रणाली पर भी चर्चा होगी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार, स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू करने के संबंध में निर्णय लेकर नवीन प्रवेश पाए स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू की जाएंगी। वहीं लंबित परास्नातक प्रवेश के रिजल्ट भी आने लगे हैं। एमकॉम अप्लाईड व एमकॉम प्योर के रिजल्ट जारी हो गए।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में कक्षाएं इसी सप्ताह से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं इसी सप्ताह से शुरू होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार को बैठक में यह फैसला लिया। शुरुआत ऑनलाइन क्लासेज से की जाएगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक प्रवेश शुल्क जमा करने की प्रक्रिया दो नवम्बर को पूरी हो गई है।

शताब्दी वर्ष सप्ताह में आयोजित होगा दीक्षांत समारोह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि इस शताब्दी वर्ष सप्ताह में दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा। इसके लिए विवि प्रशासन स्तर से तैयारियां शुरू हो गयी है। हालांकि इस बात पर मुहर नहीं लग सकी हैं कि समारोह वर्चुअल होगा या बाकायदा पुरानी पद्धति के अनुसार कोरोना गाइडलाइन का पालन कराते हुए उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा।

कोरोना संक्रमण के चलते फरवरी माह से सबकुछ बंद कर दिया गया। इस कारण इस बार का दीक्षांत समारोह भी नहीं हो पाया। इस साल लखनऊ विश्वविद्यालय स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सौवें वर्ष को पूरे जोशखरोश के साथ मनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए बाकायदा बड़े स्तर पर कार्यक्रम भी आयोजित कराने की योजना बनायी गयी हैं लेकिन अभी तक समारोह को लेकर कोई स्पष्ट रूपरेखा तैयार नहीं हो सकी हैं। फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से एक खाका तैयार किया गया है। इसमें कई शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया जाना तय किया गया है लेकिन इन कार्यक्रमों का सिलसिलेवार कौन कार्यक्रम कब रखा जावेगा, इसके लिए अभी मंथन चल रहा है। इसी बीच विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दीक्षांत समारोह की भी तैयारी शुरू हो गयी है। इस बार का दीक्षांत समारोह विगत से काफी अलग और अनोखा होगा। समारोह में काफी पुराने छात्रों को भी इस बार बुलाया जाने की तैयारी है।

i-NEXT PAGE 4

यूजी की ऑनलाइन क्लासेस इसी हफ्ते!

LUCKNOW (3 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी में मंगलवार को कुछ प्रशासनिक अधिकारियों की यूजी फर्स्ट सेमेस्टर की क्लासेस को लेकर बैठक हुई, जिसमें जल्द से जल्द ऑनलाइन क्लासेस शुरू करने का निर्णय लिया गया है. संभवता इसी सप्ताह से यूजी के फर्स्ट सेमेस्टर के स्टूडेंट्स की ऑनलाइन क्लासेस शुरू हो जाएंगी. हालांकि क्लासेस को लेकर बुधवार को भी यूनिवर्सिटी के सभी डीन की बैठक बुलाई गई है.बैठक में अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि जल्द से जल्द सभी विभागों में नए प्रवेशित स्टूडेंट्स के जिन्होंने सत्र 2020-21 में यूजी कोर्सेस में दाखिला लिया है. उन सभी स्टूडेंट्स के वाट्सएप नंबर विभागवार व कोर्सवार एकत्रित कर लिए जाएं.

PIONEER PAGE 3

शताब्दी वर्ष में देखने को मिलेगा लखनऊ का पहला ट्री-हाउस

20 दिन की मेहनत से विवि के फाइन आर्ट्स संकाय ने तैयार किया

सतीश सिंह। लखनऊ

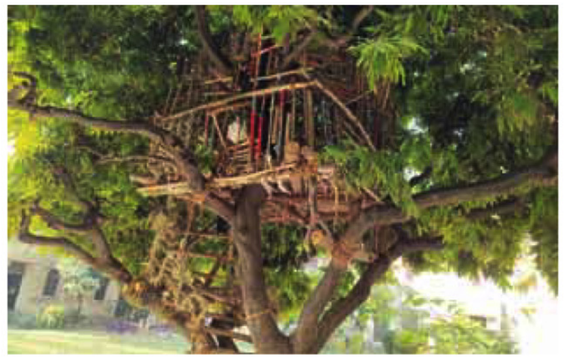

शताब्दी वर्ष के समारोह की शुरुआत के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया। हर संकाय को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसे में विवि के फाइन आर्ट्स संकाय ने कोविड 19 के पेनडेमिक दौर पर आधारित लखनऊ का पहला ट्री-हाउस तैयार किया है। यह ट्री-हाउस एक साथ 10 लोगों का वजन झेलने में सक्षम है। सबसे बड़ी एक और विशेषता है कि इसे बनाने में न तो एक कील का प्रयोग किया गया है और न ही इसका कोई जोर पेड़ पर है।

ट्री-हाउस को तैयार करने वाली टीम का दावा है कि स्टॉलेशन आर्ट के तहत यह लखनऊ का पहला ट्री-हाउस होने के साथ ही प्रदेश के किसी शिक्षण संस्थान में तैयार किया गया पहला मॉडल है। इसे बनाने में बांसए बल्ली और घास की रस्सियों का प्रयोग किया गया है। पेड़ से कोई मतलब नही है। यह ट्री-हाउस डीन डॉ आलोक कुमार और मूर्तिकला विभाग के शिक्षक डॉ धर्मेंद्र कुमार के निर्देशन में तैयार किया गया है। इसे बनाने के लिए छात्रों में अजय कुमार, विशाल गुप्ता, अरुणेश वसीदेव, सुनील कुमार और संतोष ने योगदान दिया है। अजय कुमार का कहना है कि इसे बनाने में पूरे 20 दिन लगे हैं। इसका उद्घाटन 19 नवम्बर को विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय करेंगे। शताब्दी वर्ष में विवि की तरफ से कला एवं शिल्प महाविद्यालय को हैंडमेड निमंत्रण कार्ड और टीशर्ट पर लोगो डिजाइन करने की भी जिम्मेदारी दी गई है। वही शताब्दी वर्ष में महाविद्यालय से निकले देश विदेश के 100 नामचीन कलाकारों के साथ वर्चुअल वेविनार और प्रदर्शनी कराने के साथ विवि के मुख्य परिसर में भी एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

यह है विशेषता: ट्री-हाउस में जाने के लिए बाकायदा सीढ़ियां बनी हुई हैं। खिड़कियों के साथ ही वास्तुकला आधारित बांस की घण्टिया बनाई गई हैं। जो हवा के चलने पर प्राकृतिक रूप से आवाज करते हैं। कोविड 19 के दौर में गांव के बाहर यदा कदा पेड़ पर मचान बनने की खबरें सुर्खियों में आई थी। उसी की तर्ज पर ट्री-हाउस के ठीक सामने तकरीबन पांच मीटर की दूरी पर बांस की ऊंची कुर्सी बनाई गई है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

32 साल बाद मालिनी अवस्थी को मिलेगा पदक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रख्यात लोक गायिका व पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीए ऑनर्स कोर्स में टॉप करने पर मिलने वाला पदक पर

- लविवि में बीए ऑनर्स कोर्स के पहले बैच की रहीं है टॉपर
- दावे की जांच कर लविवि शताब्दी समारोह में देगा पदक

दावा किया है। उन्होंने 32 साल पहले विश्वविद्यालय से बीए ऑनर्स कोर्स पूरा किया था। उनका कहना है कि वह उस साल की टॉपर हैं। उनके इस दावे के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन उन्हें पदक देने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। लविवि 23 नवंबर को शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसके लिए विवि की ओर से कई तरह से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में विवि अपने कई पुराने छात्र, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्र में अपना कीर्तिमान स्थापित किया है, उन्हें समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इसमें मालिनी अवस्थी को भी आमंत्रित किया गया है।

प्रख्यात लोक गायिका हैं मालिनी : मालिनी अवस्थी भारतीय लोक गायिका हैं, वह हिन्दी भाषा की बोलियों जैसे अवधी, बुंदेली भाषा और भोजपुरी में गाती हैं। मुख्य रूप से ठुमरी और कजरी में भी प्रस्तुत करती हैं। केंद्र सरकार ने उन्हें 2016 में नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया है।

1987 में पूरा किया था बीए ऑनर्स : मालिनी अवस्थी लविवि से बीए ऑनर्स का कोर्स 1987 में पूरा किया था। वह अपने बैच की टॉपर थीं। इस हिसाब से उन्हें उस साल इस कोर्स का गोल्ड मेडल मिलना था। इस बाबत विवि का कहना है कि उनको पदक के लिए पहले विवि में दावा पेश करना होगा। इसके बाद विवि उनकी मार्कशीट का सत्यापन करेगी यदि उस समय कोई पदक उनके कोर्स में दिया जाता रहा है और उनका दावा सही मिलता है तो उनको पदक दिया जाएगा। इतनी बड़ी कलाकार को मेडल देना हमारे लिए गर्व की बात होगी।

अवध की रौशन चौकी करेगी परफॉर्म : नवाबों का खास दरबारी बाजा जो बदशाहों और बड़े-बड़े अमीरों के गाने के समय बजता था। शताब्दी वर्ष में मालिनी अवस्थी इसी की प्रस्तुति देंगी। रोशन चौकी में शहनाई, तबलची, तोरही, ढोल ताशा, करना, सारंगी व अन्य वाद्य यंत्रों के साथ गायकों की जुगलबंदी फैजाबाद की समृद्ध संगीत परंपरा की कहानी बयां करती है।

सत्यापन के बाद मिलेगा पदक : इस बात शताब्दी वर्ष समारोह की समन्वयक प्रो. निशी पांडेय का कहना है कि मालिनी अवस्थी हमारी पूर्व छात्रा हैं। वे प्रख्यात लोक गायिका हैं। यदि उनका दावा सही है तो उनको पदक जरूर दिया जायेगा।

TOI PAGE 3

Was shy of visiting LU canteen, recalls Kathak maestro

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: She was a shy girl who often wanted to sit in Lucknow University's canteen but was always hesitant to enter as it was overcrowded. As a BA student, she had never thought that one day, she would be performing in front of thousands of people and achieve legendary status.

Recipient of hundreds of awards, Kathak genius Kumkum Dhar will join Lucknow University's centenary celebrations, four decades after she graduated from here.

"It would be nostalgic for me to perform at the historic arts quadrangle where I had last performed in 2002 when the Indian Science Congress was held and missile man APJ Abdul Kalamji was present. The campus reminds me of the golden days of my life when my friend Anup Jalota and I used to enjoy the beauty of the PG block which was the most happening block of the campus," said Dhar, who is also the former vice-chancellor of Bhatkhande Music Institute Deemed University.

Dhar completed BA in 1974 and MA in 1976 from LU. She recalled how she used to carry her 'ghungroo' to the campus and after lectures, would rush to Kathak Kendra for her training.

Kumkum Dhar

"Anup would sing Kishore Kumar songs and I aspired to become a dance artist. I had never thought that I would become an international-level Kathak performer," said Dhar, whose mellifluous voice has resonated on radio for four decades.

"I will be back on campus to present one of my finest Kathak performances since it's the special day of my university. It will be a tribute to the 100 glorious years of LU and the millions of successful students it has produced. I would love to see my campus again," she said.

100 YEARS LUCKNOW UNIVERSITY